

B.A. 4th Semester (General) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-II

Time : 2 hours

Full Marks : 40

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ

প্রশ্নপত্রেশ্মিন্ Group-'A' Group-'B' চেতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে। আদৌ পরীক্ষার্থিভিঃ সাবধানং স্বপঠিতো একো বিভাগে আবশ্যাকরাপেণ চয়নীযঃ। অতঃপরং প্রশ্নপত্রস্য নির্দেশানুসারেণ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ।

(এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' এবং Group-'B' দুটি বিভাগ বিদ্যমান। প্রথমতঃ পরীক্ষার্থীরা স্বপঠিত একটি বিভাগ আবশ্যাকরাপে চয়ন করবে। এরপর প্রশ্নপত্রের নির্দেশ অনুসারে প্রশ্নগুলোর সমাধান করবে।)

Group-'A'

(Indian Theatre)

1. অধঃপ্রদত্তেষু প্রশ্নেষু পঞ্চপ্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। তেষু যস্য কস্যচিৎ দ্বয়স্যোত্তরং সংস্কৃতভাষয়া কার্যম্। 2x5=10
(নিম্নে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির মধ্যে পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তাদের মধ্যে দুটির উত্তর সংস্কৃতভাষায় লেখ।)
- (a) কতি উপরূপকাণি? তেষু পঞ্চভেদস্য নাম লিখ্যতাম্।
(উপরূপক কতপ্রকার? তাদের মধ্যে যে কোনো পাঁচটি প্রকারভেদের নাম লেখ।)
- (b) কা নাম নান্দী?
(নান্দীর সংজ্ঞা কী?)
- (c) যুত্মদীয়ে পাঠ্যাংশে রসস্য প্রামাণ্যবিষয়ে কিমস্তি?
(রসের প্রামাণ্যবিষয়ে তোমাদের পাঠ্যাংশে কী উল্লিখিত আছে?)
- (d) আমুখং কিম্?
(আমুখ কী?)
- (e) নাটকবিষয়ে প্রাসঙ্গিকবস্তুরঃ কিং প্রয়োজনম্?
(নাটকের বিষয়ে প্রাসঙ্গিকবস্তুর কী প্রয়োজন?)
- (f) বীজস্য কিং লক্ষণম্?
(বীজের লক্ষণটি কী?)
- (g) ভাগস্য বৈশিষ্ট্যং লিখ্যতাম্।
(ভাগের বৈশিষ্ট্য লেখ।)

- (h) प्रकरणवैशिष्ट्यसमन्वितं काव्याद्यस्य नाम प्रदर्शयताम्।
(प्रकरणेन वैशिष्ट्यं समन्वितं द्विं काव्येन नाम लेखे)
2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयस्य टीका संस्कृतभाषया प्रदेया।
(निम्नलिखित प्रश्नशुलारे मध्ये दुटिर टीका संस्कृतभाषाय लेख।)
- (a) नाटकलक्षणम्।
(b) कार्यावस्था।
(c) भारतीयवृत्तिः।
(d) पूर्ववङ्गः।
3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु द्वयस्य उत्तरं करणीयम्।
(निम्नलिखित प्रश्नशुलारे मध्ये ये कोनो दुटि प्रश्नेर उत्तर करणीय।)
- (a) कोहिनयः? तस्य भेदविषये आचार्यविश्वनाथमतमनुसृत्य व्याख्यायताम्।
(अभिनय कके बले? एर भेदसम्पर्के आचार्यविश्वनाथकृत मतेर अनुसरणे व्याख्या करो।)
- (b) सोदाहरणं युष्माकं पाठ्यांशमनुसृत्य अर्थोपक्षेपकस्य भेदवर्णनमालोचयताम्।
(उदाहरणसहकारे तामादेर पाठ्यांश अनुसरणे अर्थोपक्षेपकेर भेदशुलो वर्णना करो।)
- (c) किं खलु पताकास्थानकम्? तस्य भेदविषये किं मतं गोचरीभवति, तदेव आलोचयताम्।
(पताकास्थानक बलते की बोव? तार भेद विषये की मत लक्षणीय ता आलोचना करो।)
- (d) “अन्तरैकार्थसम्बन्धः सन्धिकारणये सति”—इति वाक्यांशं वर्णयताम्।
(“अन्तरैकार्थसम्बन्धः सन्धिकारणये सति”—एइ वाक्यांशेन वर्णना दाव।)

Group-'B'

(Basic Sanskrit)

Part-I

1. अधोःप्रदत्तेषु प्रश्नेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः। तेषु द्वयस्योत्तरं संस्कृतभाषया कार्यम्।
(निम्ने प्रदत्त प्रश्नशुलारे मध्ये पाँचटि प्रश्नेर उत्तर दाव। तादेर मध्ये दुटिर उत्तर संस्कृतभाषाय दिते हवे।)
- (a) पतिशब्दस्य द्वितीयायाः बहुवचने तथा षष्ठीयाः एकवचने किंरूपम्?
(पतिशब्देर द्वितीयाय बहुवचने एवं षष्ठीय एकवचने रूपशुलि की की?)
- (b) मतिशब्दस्य चतुर्थ्यास्तथा षष्ठीयाः एकवचने किंरूपम्?
(मतिशब्देर चतुर्थीय एवं षष्ठीय एकवचने रूपशुलि की की?)

[3]

- (c) धातृशब्दस्य प्रथमायास्तथा पञ्चम्याः एकवचने किंरूपम्?
(धातृशब्दस्य प्रथमायास्तथा पञ्चम्याः एकवचने रूपानि कीं कीं?)
- (d) त्रिशब्दस्य पुंलिङ्गे पञ्चम्यास्तथा सप्तम्याः एकवचने किं रूपम्?
(त्रिशब्दस्य पुंलिङ्गे पञ्चम्यास्तथा सप्तम्याः एकवचने रूपानि कीं कीं?)
- (e) डू-धातोः लृटलकारे उत्तमपुरुषस्य सर्वरूपं लिखत।
(डू-धातुर लृट लकारे उत्तमपुरुषस्य सकल रूपानि लेखत।)
- (f) ऋधातोः लङ्लकारे प्रथमपुरुषस्य सर्वरूपं लेखत।
(ऋधातुर लङ्लकारे प्रथमपुरुषस्य सकल रूपानि लेखत।)
- (g) “तदेष कर्कटोऽपि सहायो भवतु”—कस्य उक्तिरियं कं प्रति?
(तदेष कर्कटोऽपि सहायो भवतु—कार उक्ति एति एवं कार प्रति?)
- (h) “यादृशी भावना यस्य”—श्लोकपादोऽयं कुतः संगृहीतः? तस्य कोऽर्थः?
(“यादृशी भावना यस्य”—एति श्लोकपादोऽयं कुतः संगृहीतः? तस्य कोऽर्थः? एति अर्थ की?)

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयस्य उत्तरं संस्कृतभाषया प्रदेयम्। 5×2=10
(निम्नलिखित प्रश्नानामध्ये दुटिर उत्तरं संस्कृतभाषया लेखत।)

- (a) नरशब्दस्य पञ्चम्यास्तथा षष्ठाः सकलवचनस्य सिद्धरूपं लिखत।
(नरशब्दस्य पञ्चमी एवं षष्ठीर सकलवचनस्य सिद्धरूपानि लेखत।)
- (b) सर्वासु विभक्तिषु द्विशब्दस्य पुंलिङ्ग रूपानि समुल्लेखत।
(द्विशब्दस्य सकल विभक्तिर पुंलिङ्गस्य रूपानि लेखत।)
- (c) दा-धातोः लोट लकारस्य सिद्धरूपानि लेखत।
(दा-धातुर लोट लकारस्य सिद्धरूपानि लेखत।)
- (d) गम्-धातोः लङ्लकारस्य सिद्धरूपानि लेखत।
(गम्-धातुर लङ्लकारस्य सिद्धरूपानि लेखत।)

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु द्वयस्य उत्तरं करणीयम्। 10×2=20
(निम्नलिखित प्रश्नानामध्ये दुटिर उत्तरं करणीयम्।)

- (a) संस्कृतभाषया अनुवादः करणीयः।
(संस्कृत भाषया अनुवाद करो।)

प्राचीनकाले कलिङ्गदेशे शोभावती नामे एक नगरि छिल। तार शासनकर्ता छिलेन प्रभूत ऎश्वर्यवान् ओ वीर्यवान् राजा प्रदुम्न। तिनि सेइ नगरिार एक प्रदेशे बह ब्राम्हण अधुषित यङ्गुल नामे एक ग्राम प्रतिष्ठा करेन। सेइ ग्रामे वेदङ्ग ब्राम्हणरा वास करतेन परम सुखे।

- (b) 'स च प्रयोजनवशाद् ग्रामं प्रस्थितः'-इत्यनेन वचनेन किमुक्तं रचनाकारेण? युष्माकं पाठ्यांशमनुसृत्य
ब्रह्मदत्तकर्कटकथायाः विषयसारः संक्षिप्ततया प्रतिपाद्यताम्। 2+8=10
(‘स च प्रयोजनवशाद् ग्रामं प्रस्थितः’—এই বচনের মাধ্যমে রচনাকার কী বলেছেন? তোমার পাঠ্যাংশ অনুসরণে
ব্রহ্মদত্তকর্কটকথার বিষয়সার সংক্ষিপ্তভাবে প্রতিপাদন করো।)
- (c) बङ्गभाषया अनुवादः कार्यः।
(বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো।)
প্রাচ্যদেশাৎ প্রতীচ্যদেশে ভগবদ্বাণীং প্রচারিতবান্ স্বামী বিবেকানন্দঃ। তেন উক্তং বহুরূপেণ ভগবান্ ত্বং সম্মুখ এব
বিরাজমানঃ। কথং ত্বমন্যত্র তম্ অধিব্যসি? তস্য মহতী সৃষ্টিঃ খলু জীবঃ। তর্হি জীবপ্রেমিকঃ এব ঈশ্বরসেবকঃ।
জীবপ্রীতিরেব ঈশ্বরপ্রীতিঃ। ইয়ং হি শ্রেষ্ঠা শিক্ষা ধর্মস্য।
- (d) पूर्वशब्दस्य क्लीबलिङ्गे विद्यमानानि सर्वाणि रूपानि समुल्लेखानि।
(পূর্বশব্দের ক্লীবলিঙ্গে বিদ্যমান সকল রূপগুলো উল্লেখ করো।)
-